Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 18-03-2006
Participants : Scindia Shri Jyotiraditya Madhavrao

an>

Title : Incessant rains and hailstorms causing loss of life and widespread damage to Rabi crops in Madhya Pradesh Maharashtra.

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया (गुना) : महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान मध्य प्रदेश के अनेक जिलों में हुई अतिवृटि और ओलावृटि की ओर आकर्िात करना चाहता हूँ।

महोदय, मध्य प्रदेश में पिछले दिनों में जो अतिवृटि और ओलावृटि हुई है, उससे रबी की फसल को भारी क्षति हुई है। पिछले कई दिनों में करीब 82 जानें गई हैं, करीब 4,500 गांव प्रभावित हुए हैं और 34 जिलों में करीब 1.5 लाख हेक्टेअर की फसल पूरी तरह से नट हो चुकी है। पिछले दो सालों में सूखा और विद्युत के संकट का सामना कर रहे किसानों के सामने प्राकृतिक आपदा के रूप में यह संकट आया है। मध्य प्रदेश सरकार ने इसके लिए जो कदम उठाए हैं, मैं समझता हूँ कि वे पूरी तरह से अपर्याप्त और नाकाम हो चुके हैं। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहता हूँ कि कम से कम किसानों के बिजली के बिल को स्थगित किया जाए, किसानों को मुआवजा राशि दिलवाई जाए जो अभी बहुत कम है, इसे कम से 10,000 रूपए प्रति हेक्टेअर होना चाहिए। मैं केन्द्र सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि प्रभावित क्षेत्र में एक टीम भेजकर इसका सर्वेक्षण कराएं और किसानों को राशि दिलवाएं। आपदा कोा से प्रदेश सरकार को जो 100 करोड़ रूपए की राशि दिलवाई गयी है, उस राशि को जल्द से जल्द किसानों को आवंटित करवाया जाए।

MR. SPEAKER: Nothing will go on record except Mr. Mahtab.

(Interruptions) *

SHRI B. MAHTAB (CUTTACK): Mr. Speaker, Sir, I would like to draw the attention of the House and also of the Government … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: These are matters concerning the people. People are suffering. Many notices are given and I am giving priority to them. Yet, you are not satisfied. मैं क्या काम करूंगा जब you want to decide which should be given priority[KMR70].

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It is unfortunate.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I am allowing these matters to be raised as people are suffering.

… (*Interruptions*)

---

*Not Recorded

MR. SPEAKER: Do not misuse the House.

… (*Interruptions*)